-: ओ३म् :-

॥ धातु-रूप प्रकरणम् ॥

* धातु किसे कहते हैं ?

⇒ क्रिया के मूल रूप को धातु कहते हैं।

यथा –

मूलधातु	अर्थ
पठ्	पढ़ना
गम् (गच्छ)	जाना
चल्	चलना
वद्	बोलना
दा	देना

इत्यादि।

* लकार किसे कहते हैं ?

⇒ क्रिया के जिस रूप से समय का बोध होता है उसे लकार कहते हैं।

यथा – वह पढ़ता है, गणेश को घर जाना चाहिए, मोहन घर जाएगा इत्यादि।

* संस्कृत में लकार मुख्य रूप से 5 प्रकार के होते हैं।

(1.) लट् लकार (2.) लृट् लकार (3.) लङ् लकार (4) लोट् लकार और (5) विधिलिङ् लकार

AMAN SIR SANSKRIT

Scanned by TapScanner

* लट् लकार किसे कहते हैं?

⇒ क्रिया के जिस रूप से वर्तमान समय में काम होने का बोध हो उसे लट्लकार कहते हैं। यथा - वह पढ़ता है, मैं जाता हूँ, गणेश सेब खाता है इत्यादि।

* लट् लकार को पहचानने का नियम -

⇒ जिस हिन्दी वाक्य के अन्त में ता है, ती है, ते हैं, गा रहे उसे लट् लकार के वाक्य समझेंगे।

* लट् लकार के सूत्र :-

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	ति	तः	अन्ति
मध्यम पुरुष	सि	थः	थ
उत्तम पुरुष	आमि	आवः	आमः

* लट् लकार के सूत्र पर पठ् धातु लिखें :-

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	पठति	पठतः	पठन्ति
मध्यम पुरुष	पठसि	पठथः	पठथ
उत्तम पुरुष	पठामि	पठावः	पठामः

Scanned by TapScanner